NCERT SOLUTIONS

CLASS - 10th

aglasem.com

Class : 10th

Subject : हिन्दी

Chapter : 1

Chapter Name : साखी

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

Q1 मीठी वाणी बोलने से औरों को सुख और अपने तन को शीतलता कैसे प्राप्त होती है?

Answer. मीठी वाणी बोलने वाले व्यक्ति की वाणी मधुर एवं अहंकार से परे होती है,जिसे सुनकर औरों को सुख की प्राप्ति होती है,एवं बोलने वाले का भी तन-मन शांत रहता है।

Page: 6, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

Q2 दीपक दिखाई देने पर अँधियारा कैसे मिट जाता है? साखी के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

Answer॰ दीपक अपनी रोशनी से चारों ओर प्रकाश फैला देता है,उसी प्रकार ज्ञान रूपी दीपक अज्ञान रूपी अंधकार का समूल नाश कर देता है|

Page: 6, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

Q 3 ईश्वर कण-कण में व्याप्त है, पर हम उसे क्यों नहीं देख पाते?

Answer॰ ईश्वर तो हमारे भीतर है लेकिन हम उसे अपने भीतर ढूँढ़ने की बजाय तीर्थ स्थल, मंदिर, मस्जिद आदि में ढूँढ़ते हैं।जिस प्रकार हिरण अपनी नाभि से आती सुगंध पर मोहित रहता है परन्तु वह यह नहीं जानता कि यह सुगंध उसकी नाभि में से आ रही है। उसी प्रकार हमारे शरीर में ईश्वर का वास होने पर भी ,हम उसकी खोज में यहाँ-वहाँ भटकते रहते हैं।

Page: 6, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

Q4 संसार में सुखी व्यक्ति कौन है और दुखी कौन? यहाँ 'सोना और 'जागना' किसके प्रतीक हैं? इसका प्रयोग यहाँ क्यों किया गया हैं? स्पष्ट कीजिए।

aglasem.com

Answer॰ इस संसार में भोगी व्यक्ति अपने को सुखी मानते हैं एवं ज्ञानी व्यक्ति संसार के दु:ख को देखकर दुखी रहता है| 'सोना' अज्ञानता में लिप्त व्यक्ति का प्रतीक एवं 'जागना' ज्ञान प्राप्ति का प्रतीक है| ज्ञान के प्रयोग से कबीर संसार में चेतना लाना चाहते हैं|

Page : 6, Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

Q5. अपने स्वभाव को निर्मल रखने के लिए कबीर ने क्या उपाय सुझाया है ?

Answer॰ अपने स्वभाव को निर्मल रखने के लिए कबीर ने अपने निंदकों को पास रखने की सलाह दी है क्योंकि निंदा से हमारा अहं नष्ट होगा एवं मन स्वच्छ होगा| निंदकों द्वारा बताई गए त्रुटियों को दूर करके हम अपने स्वभाव को निर्मल बना सकते हैं|

Page: 6, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -

Q6 'ऐकै अषिर पीव का, पढ़े सु पंडित होई' -इस पंक्ति द्वारा कवि क्या कहना चाहता है?

Answer॰ कवि इस पंक्ति में ईश्वर प्रेम के विषय में बताते हुए कहता है कि ईश्वर प्रेम से ही हमें ज्ञान और मुक्ति की प्राप्ति हो सकती है| केवल परमात्मा का नाम स्मरण करने से ही सच्चा ज्ञानी बना जा सकता है।

Page: 6, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

Q7 कबीर की उद्धृत साखियों की भाषा की विशेषता स्पष्ट कीजिए।

Answer॰ कबीर की भाषा पंचमेल खिचड़ी(सधुक्कड़ी) है,जिसमें अनेकानेक भाषाओं का मिश्रण दिखाई देता है,उनकी भाषा सरल-सरस एवं उपदेशात्मक शैली में है,दोहा छंद है एवं विभिन्न प्रतीकों के प्रयोग के साथ-साथ अलंकारों का प्रयोग किया गया है।

Page: 6, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -

(ख) निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए।

Q1 बिरह भुवंगम तन बसै, मंत्र न लागै कोई।

Answer॰ कबीर विरह का महत्व दर्शाते हुए कहते हैं कि जब विरह रूपी सर्प शरीर में अपना वास करता है, तब कोई भी मंत्र काम नहीं करता है| भगवान के विरह में कोई भी जीव सामान्य नहीं रहता है। उस पर किसी बात का कोई असर नहीं होता है।क्योंकि विरह की इसी सर्वोच्च अवस्था के बाद ईश्वर की प्राप्ति होती है|

Page: 6, Block Name: निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए –

Q2 कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढे बन माँहि।

Answer॰ इस पंक्ति में कबीर कहते हैं कि जिस प्रकार हिरण अपनी नाभि से आती सुगंध पर मोहित रहता है परन्तु वह यह नहीं जानता कि यह सुगंध उसकी नाभि में से आ रही है। उसी प्रकार हमारे शरीर में ईश्वर का वास होने पर भी ,हम उसकी खोज में यहाँ-वहाँ भटकते रहते हैं।

Page: 6, Block Name: निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए –

Q3 जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि है मैं नाँहिं।

Answer. जब तक मन अहंकार से भरा होता है तब तक ईश्वर की प्राप्ति हो ही नहीं सकती है,एवं जब मन का अहंकार नष्ट हो गया तो ईश्वर के सिवाय कुछ भी शेष नहीं रहा,अर्थात सब ईश्वर मय हो गया|

Page: 6, Block Name: निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए –

Q4 पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोइ।

Answer. कुछ लोग बड़े-बड़े ग्रंथों को पढ़कर स्वयं को ज्ञानी समझने लगते हैं जबकि जो सद्भाव, प्रेम आदि सद्गुणों से परिपूर्ण होता है ,सच्चे अर्थों में वही ज्ञानी है।

Page: 6, Block Name: निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए –

भाषा अध्ययन

Q.1 पाठ में आए निम्नलिखित शब्दों के प्रचलित रुप उदाहरण के अनुसार लिखिए –

उदाहरण - जिवै - जीना

औरन, माँहि, देख्या, भुवंगम, नेड़ा, आँगणि, साबण, मुवा, पीव, जालौ, तास।

Answer-

जिवै – जीना

औरन - औरों को

माँहि - के अंदर (में)

देख्या - देखा

भुवंगम - साँप

नेड़ा - निकट

आँगणि - आँगन

aglasem.com

साबण - साबुन

मुवा – मुआ

पीव - प्रेम

जालौं – जलना

तास – उसका

Page : 6, Block Name : भाषा अध्ययन

योग्यता विस्तार

Q. 1. 'साधु में निंदा सहन करने से विनयशीलता आती है' तथा 'व्यक्ति को मीठी व कल्याणकारी वाणी बोलनी चाहिए' - इन विषयों पर कक्षा में परिचर्चा आयोजित कीजिए |

Answer - छात्र स्वयं करें |

Page : 6, Block Name : योग्यता विस्तार

Q. 2. कस्तूरी के विषय में जानकारी प्राप्त कीजिए |

Answer - छात्र स्वयं करें |

Page : 6, Block Name : योग्यता विस्तार

परियोजना कार्य

Q. 1. मीठी वाणी/बोली संबंधी व ईश्वर प्रेम संबंधी दोहों का संकलन कर चार्ट पर लिखकर भित्ति पत्रिका पर लगाइए |

Answer - छात्र स्वयं करें |

Page : 6, Block Name : परियोजना कार्य

Q. 2. कबीर की सखियों को याद कीजिए और कक्षा में अंत्याक्षरी में उनका प्रयोग कीजिए |

Answer - छात्र स्वयं करें |

Page : 6, Block Name : परियोजना कार्य

aglasem.com